सत्यमेव जयते

झारखण्ड राज्य स्थापना दिवस

के

अवसर पर

माननीया राज्यपाल, झारखण्ड

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु

का

अभिभाषण

राँची, 15 नवम्बर, 2015

मेरे प्यारे भाइयों, बहनों एवं बच्चों,

रउरे मनके जोहार !

मैं समस्त राज्यवासियों को झारखण्ड स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई देती हूँ। सबसे पहले मैं अमर शहीद भगवान बिरसा मुण्डा को नमन करती हूँ। मैं इस ऐतिहासिक अवसर पर अमर शहीद सिदो, कान्हू, चाँद, भैरव, ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव, बीर बुधु भगत, बाबा तिलका माँझी, नीलाम्बर, पीताम्बर, पाण्डेय गणपत राय, शेख भिखारी और अन्य महान सपूतों को भी नमन करती हूँ। मैं राज्य गठन में प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से भूमिका निभानेवाले सभी के प्रति आभार प्रकट करती हूँ।

मेरे प्यारे झारखण्डवासियों, आज हमारा राज्य 15 वर्ष का हो गया है। झारखण्ड अभी किशोर अवस्था में है । जिस प्रकार किशोर इस काल में अपने विकास एवं अपनी पहचान के लिए व्याकुल होते हैं एवं उन पर विशेष ध्यान देने की जरूरत रहती है, उसी प्रकार झारखण्ड के लिए वर्तमान समय इसकी दशा एवं दिशा निर्धारित करने की दृष्टि से बेहद अहम है।

आप अवगत हैं कि राज्य गठन के समय झारखण्ड के समक्ष अनेक चुनौतियाँ थीं जिसमें प्रमुख रूप से गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी, पलायन जैसी समस्याओं के साथ–साथ मूलभूत आवश्यकताओं के पूर्ति हेतु ढाँचागत सुविधाओं की भारी कमी थी। पिछले 15 वर्षों में इन समस्याओं के निदान हेतु सरकार के द्वारा अनेक प्रयास किये गये हैं, परन्तु झारखण्ड को विकसित राज्यों की श्रेणी में लाने के लिए लम्बी दूरी तय करनी है। आज का दिन पूर्व में किये गये प्रयासों की समीक्षा एवं आत्ममंथन का है। आम तौर पर झारखण्ड के बारे में सभी जानते हैं कि झारखण्ड प्राकृतिक संसाधनों एवं सौंदर्य से

परिपूर्ण है । झारखण्ड में महत्वपूर्ण खनिज, विशेषकर लोहा, ताम्बा, कोयला यहाँ तक कि यूरेनियम, सोना आदि भी पाये जाते हैं। लेकिन झारखण्ड के बारे में अमूमन यह धारणा है कि झारखण्ड राज्य समृद्ध है। परन्तु यहाँ निवास करनेवाले लोग गरीब हैं ।

हमारे राज्य के सभी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुलभ हो, शहरों में ही नहीं बल्कि सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में रहनेवालों को भी बेहतर स्वास्थ्य सुविधायें उपलब्ध हों, सभी को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो तथा अपने घर के आस–पास ही रोजगार के साधन पर्याप्त रूप से उपलब्ध हों ताकि किसी को रोजगार की तलाश में मजबूरी में पलायन करने को विवश न होना पड़े। यह स्वाभाविक है कि यहाँ लोहा एवं कोयला खनिज होने के कारण इस्पात एवं बिजली के बड़े–बड़े कारखाने स्थापित करने की परिस्थितियाँ अनुकूल हैं। इसके साथ–साथ झारखण्ड में कृषि, बागवानी, पशुपालन, मत्स्यपालन आदि के क्षेत्र में भी विकास की असीम संभावनायें हैं। झारखण्ड में विशेष रूप से organic farming पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है ।

आप सभी को यह जानकर खुशी होगी कि हाल ही में विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार झारखण्ड “ease of doing business” के सूचकांक पर पूरे देश में तीसरा स्थान रखता है । मैं इसके लिए आप सभी को बधाई देती हूँ तथा आशा करती हूँ कि झारखण्ड राष्ट्रीय ही नहीं, अपितु अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर भी निवेशकों के लिए पहली पसन्द बनेगा। इसके लिए सभी के सहयोग की आवश्यकता है ।

राज्य सरकार द्वारा औद्योगिक विकास एवं पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए औद्योगिक पार्क एवं झारखण्ड निर्यात नीति तथा Eco-Tourism Policy 2015 बनाई गयी है । मुझे आशा है कि इन नीतियों के कारगर रूप से लागू होने से न केवल

राज्य में पर्यावरण संरक्षण के साथ औद्योगिक विकास एवं पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा बल्कि रोजगार के अधिक से अधिक अवसर भी सृजित होंगे।

यह सर्वविदित है कि समग्र एवं समावेशी विकास के लिए संवेदनशील, पारदर्शी एवं सुलभ प्रशासन अति आवश्यक है । पारदर्शी शासन के लिए IT को एक महत्वपूर्ण tool के रूप में उपयोग किया जा सकता है । सरकार के द्वारा e-district परियोजना लागू की जा रही है जिसके तहत 54 आवश्यक सेवाओं को on-line किया गया है, जिससे इन सेवाओं का लाभ आसानी से एवं कम समय में आप प्राप्त कर सकते हैं। आज सरकार के द्वारा 15 Mobile Application का शुभारंभ किया जा रहा है । इनका उपयोग कर राज्य की जनता कभी भी कहीं से भी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में सक्षम होगी ।

स्थापना दिवस के अवसर पर बहुत सी नई योजनाओं की घोषणा की गई है एवं योजनाओं का उद्घाटन भी किया गया हैं। मुझे आशा है कि इन सभी योजनाओं को कारगर ढंग से लागू किया जाएगा ताकि वास्तव में इनका लाभ उन सुदूरवर्ती ग्रामों में रहनेवाले लोगों को भी प्राप्त होगा ।

वर्तमान में राज्य में पंचायत चुनाव प्रक्रियाधीन है। मुझे बताया गया है कि पिछले पंचायत चुनावों में महिलाओं की भागीदारी लगभग 50 प्रतिशत से भी अधिक थी, जो कि प्रगतिशील लोकतंत्र के लिए बहुत सुखद पहलू है। मुझे आशा है कि पिछले अनुभव के आधार पर अच्छे से अच्छे पंचायत प्रतिनिधि चयनित होकर आयेंगे जो विकास के प्रति समर्पित होंगे ।

हम झारखण्डवासी स्वभाव से सहज एवं सरल हैं तथा हमारे पास एक समृद्ध सांस्कृतिक विरासत है। हम सब को अपनी इस समृद्ध सांस्कृतिक विरासत पर गर्व

करने के साथ–साथ इसे अक्षुण्ण बनाये रखना है। साथ ही आधुनिक मूल्यों को समावेशित करते हुए इसे और विकसित करने पर भी बल देना होगा ताकि युवाओं के साथ–साथ आनेवाली पीढ़ी को भी अपने रीति–रिवाज एवं परम्परा की मौलिक जानकारी हो सकेगी।

आइये, आज हम सब मिल कर सुखी, समृद्ध एवं विकसित झारखण्ड बनाने की दिशा में कार्य करने का संकल्प लें । मुझे विश्वास है कि हम सभी के प्रयास से झारखण्ड की पहचान हमारे देश के सबसे विकसित एवं समृद्ध राज्य के रूप में होगी ।

जय हिन्द ! **जय झारखण्ड !**